



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Duplicate

सं० 4]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 22, 1979/भाद्र 31, 1901

No. 4]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 22, 1979/BHADRA 31, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

कार्यालय सहायक आयकर आयोग (विरोध) प्रजनन रज

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ)

(1) के अधीन सूचना

जयपुर, 18 सितम्बर, 1979

निर्देश संख्या: राज/सहा० आ० प्रजनन/598.—यतः मुझे, एम० आर०
प्रमवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विषय करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० भूमि है तथा जो व्यावर में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय
व्यावर में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 29 दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिफल से
अधिक है, और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बिना ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के

वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जितने
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-
कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम,
1957 (1957 का 97) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न-
लिखित व्यक्तियों प्रतीति :—

(1) श्री मुकुट बिहारी लाल भागवत पुत्र श्री विनोदी लाल भागवत
(अन्तरक) जयपुर ।

(2) मैमर्स महावीर एण्ड सन्स कम्पनी, व्यावर..... (अन्तरिती) ।

* (3) श्री/श्रीमती/कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग..... में सम्पत्ति है)

* (4) श्री/श्रीमती/कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके बारे
में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के नि
कार्यवाहियां करना हैं। उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में
कोई भी आक्षेप —

* जो लायू न हो उसे काट दीजिए

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो अर्थ अंग्रेजियम, 1961 (1961 का 13) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 बीघा व 15 बिस्वा जमीन जो नया नगर ब्यावर में स्थित है और उस पंजीयक ब्यावर द्वारा रजिस्ट्रेशन नम्बर 3468 दिनांक 29-12-78 पर पंजीयक विवरण पत्र में जोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 18-9-79

मोहर

पुनः प्रारंभ अध्याय*
मन्त्र प्रवक्ता

OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE

Notice under section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961)

Jaipur, the 18th September, 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/598.—Whereas, I, M. R. Aggarwal being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1 and situated at Beawar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 29-12-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer ; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :—

(1) Shri Mukut Beharilal Bhargava S/o Shri Vinodi Lal Bhargava, (Transferor), Jaipur.

.....property)

(2) M/s. Mahavir & Co., Beawar,(Transferee)

.....

* (3) Shri/Shrimati/Kumari
(Person in occupation of the.....property)

* (4) Shri/Shrimati/Kumari
(Person whom the under.....
signed knows to be interested in the property).
Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under-
signed :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

SCHEDULE

Land measuring 3 bigha & 15 biswas situated at Naya Nagar, Beawar and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Beawar vide registration No. 3468 dated 29-12-78.

Date 18-9-1979.

Seal.....

M. R. AGGARWAL, Competent Authority

*Strike off where not applicable.